efgyk ukxfjd lgdkjh cSd e;kZfnr egklemn % ,d v/;;u

Mahila Nagarik Sahakari Bank Maryadit Mahasamund : Ek Adhyan

KEYWORDS

1.महिला नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित 2. ऋण प्रकिया 3.बैंक के कार्य 4. वसूली 5. अमानत

KU. LALEE SHARMA	Dr. S.N.Jha	DHARMENDER SINGH
Research Scholar, Govt. V.Y.T. Auto,PG College Durg c.g.	Professor(Commerce) Govt. V.Y.T. Autonamas College Durg c.g.	Asst.professor (Commerce), Govt. R.R.D.S.college khairagarh c.g

ABSTRACT foRRk dk 0;olk; dk jDr dgk tkrk gSA fdlh Hkh 0;olk; dk ikjHk o lpkfyr djus grq foRr dh vko';drk gksrh gSA fofHkUu 0;olkf;;ks dks dHkh u dHkh foRr lk/kuks dh lhferrk dk lkeuk djuk iMrk gSA ;fn ;s 0;olk;h efgyk;s gks rks mudk foRrh; lk/kuks dh ikfIr dk L=ksr vkSj Hkh lhfer gks tkrs gSA efgyk ukxfjd lgdkjh cSd efgykvks dh foRrh; vko';drkvks dh iwfrZ djus esa lg;ksx dj jgk gSA efgyk ukxfjd lgdkjh cSd efgykvks dks y?kq o dqVhj m|ksxks dh LFkkiuk] uohu 0;olk; ikjHk djus] edku fuekZ.k grq] f'k{kk vkfn fofo/k dk;ksZ grq _.k miyC/k djkrk gSA bl 'kks/k dk;Z grq f}rh;d led dk iz;ksx fd;k x;k gSA v/;;u grq efgyk ukxfjd lgdkjh cSd e;kZfnr egklemn dk p;u fd;k x;k gSA v/;;ujr vof/k esa cSd ds lnL;ksa dh la[;k esa fujarj of) gbZ gSA lnL;ksa ls ikIr vH;kiZ.k o vekurks esa Hkh mRrjksRrj of) ifjyf{kr gks jgh gSA cSd ds }kjk forfjr _.kksa esa Hkh ifro"kZ of) gks jgh gSA cSd dks _.k olwyh uhfr r;kj dj olwyh ifr'kr dks 'kr ifr'kr djus grq ;kstuk r;kj djuk gksxkA efgyk fgrxkfg;ksa ds ykHkkFkZ cSd dks 0;olk; iwf'k{k.k dk;Z'kkyk dk vk;kstu dj mudk ekxZn'ku dh 0;oLFkk djuk pkfg,A u;s lnL;ksa dks cSd ls tksMus grq cSd }kjk lpkfyr ;kstukvks dk 0;kid izpkj&izlkj fd;k tk;] cSd dks uohu 'kk[kk foLrkj grq fopkj djuk pkfg,A

प्रस्तावना :–

सहकारिता एक ऐसा जन आंदोलन है जो समानता के आधार पर परस्पर सहयोग एवं लोकतंत्र के बुनियादी सिद्धांतों पर आधारित है, सहकारिता के अंतर्गत समाज के कमजोर वर्ग को ऐसा अवसर प्राप्त होता है कि ये सामूहिक विचार, सामूहिक निर्णय तथा संयुक्त उपकम के द्वारा अपनी आर्थिक समस्याओं का समाधान कर आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते है। महिलाओं को सशक्त करने व स्वावलंबी बनाने की दिषा में सहकारी आंदोलन की विषेश भूमिका रही है। इसमें विषेश रूप से महिला नागरिक सहकारी बैंकों का योगदान रहा जिनकी मदद से लाखों महिलाओं की आर्थिक क्षमता बढ़ी एवं उनके व्यक्तित्व का विकास हुआ। महिला नागरिक सहकारी बैंकों के द्वारा महिलाओं की वित्तीय आवष्यकताओं को पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। जिससे महिलायें को वित्तीय संसाधनों की कमी का सामना न करना पड़े बैंक उन्हें व्यवसाय, गृह निर्माण, लघु उद्योग, षिक्षा कार्यो हेतु सरलता व षीघ्रता के साथ ऋण सुविधा प्रदान करता है। छ.ग. राज्य के महासमुंद जिले में संचालित महिला नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने व व्यक्तित्व के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। महिला नागरिक सहकारी बैंक महासमुंद की स्थापना 26 जून 1998 में हुई जिसकी वर्तमान अध्यक्ष श्रीमती रंजना षर्मा है। बैंक का कार्यक्षेत्र महासमुंद जिले के अंतर्गत आने वाले शहरी क्षेत्र, नगर पंचायत, नगर पालिका, तुमगांव, झलप, पिथौरा, बागबाहरा, बसना सरायपाली के 10 कि.मी. तक सीमित है। स्थापना वर्श से बैंक अपने लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु निरन्तर प्रयासरत् है।

महिला नागरिक बैंक की स्थापना के उद्येष्य :–

1. आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की महिलाओं की सहायता करना।
2. अनुसूचित जाति, जनजाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़े वर्ग की महिलाओं का आर्थिक एव सामाजिक विकास करना।
3. महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु स्वरोजगार प्रारंभ करने या अन्य प्रयोजन हेतु ऋण उपलब्ध कराना।
4. महिलाओं को बेहतर आय के अवसर बिना किसी शोषण के उपलब्ध कराना।
5. महिलाओं को अर्थव्यवस्था से जुड़ने का अवसर उपलब्ध कराना।

महिला नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित महासमुंद के कार्य :–

1. ऋण वितरण करना :–महिला नागरिक सहकारी बैंक केवल महिलाओं को व्यवसाय, उद्योग प्रारंभ करने, मकान निर्माण या क्रय एवं मरम्मत हेतु ऋण प्रदान करती है। टिकाऊ उपभोक्ता वस्तु क्रय हेतु ऋण प्रदान करती है।

2. सदस्यों से जमा स्वीकार करना– महिला नागरिक सहकारी बैंक पुरूश या महिला सदस्यों से सावधि, मियादी जमा, आवर्ती, चालू अमानते स्वीकार करती है व उन्हें अधिकतम ब्याज प्रदान करने का प्रयास करती है।

3. ऋण वसूली करना :– महिला नागरिक सहकारी बैंक द्वारा महिलाओं को वितरित ऋण की समय पर वसूली करना भी अनिवार्य है ताकि बैकिंग व्यवसाय सतत् चल सके।

4. अन्य सुविधा –महिला नागरिक सहकारी बैंक द्वारा महिलाओं को विभिन्न सुविधाएं प्रदान करती हैं जैसे– बिजली बिल संग्रहण करना, I.F.S Code के माध्यम से राषि अंतरण सुविधा, पेय (ड्राफ्ट) आर्डर की सुविधा ।

बैंक द्वारा ऋण देने का आधार :–

1. अचल संपत्ति बंधक रखकर ऋण
2. मोटर वाहन पर अग्रिम
3. स्वर्णाभूशण के तारण पर अग्रिम
4. जीवन बीमा पालिसियों के तारण पर अग्रिम
5. मियादी/आवर्ती जमाओं के तारण पर अग्रिम
6. वेतनधारियों को व्यक्तिगत ऋण
7. सावधि जमा रषीदें, नेषनल सेविंग सर्टिफिकेट, अन्य सरकारी तथा न्यासी प्रतिभूतियों पर ऋण ।

षोध के उद्येष्य :–

1. महासमुंद जिले के अंतर्गत महिला नागरिक सहकारी बैंक के विकास का अध्ययन करना।
2. महिला नागरिक सहकारी बैंक की वर्तमान स्थिति का अध्ययन करना।
3. महिला नागरिक सहकारी बैंक द्वारा वितरित ऋण व उसकी वसूली का अध्ययन करना।
4. महिला नागरिक सहकारी बैंक की समस्याओ व उनके समाधान हेतु सुझाव प्रस्तुत करना।
5. राज्य में बैंक की संभावनाएं एवं सुधार हेतु आवष्यक सुझाव देना।

षोध की अवधि :–

षोध कार्य हेतु बैंक महिला नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित महासमुंद के वार्शिक प्रतिवेदन से विगत 5 वर्शो के आंकड़ों का प्रयोग द्वितीयक समंकों के रूप में किया गया है।

परिकल्पना :–

1. महिला नागरिक सहकारी बैंक की सदस्य संख्या में वृद्धि हुई है।
2. महिला नागरिक सहकारी बैंक की जमा अमानतों में वृद्धि हुई है।
3. महिला नागरिक सहकारी बैंक की नीतियों से महिलाएं लाभान्वित हुई है।
4. महिला नागरिक सहकारी बैंक को ऋण की वसूली में सुधार करने की आवष्यकता है।

Volume : 3 | Issue : 12 | Dec 2013 | ISSN - 2249-555X

rkfydk dekd & 1
lnL;rk y{;] ifrl o ifr'kr dk fooj.k

o"kZ	y{;	ifrl	ifr'kr
07–08	150	135	90%
08–09	150	184	122.67%
09–10	175	224	128%
10–11	200	289	144.50%
11–12	200	205	102.50%

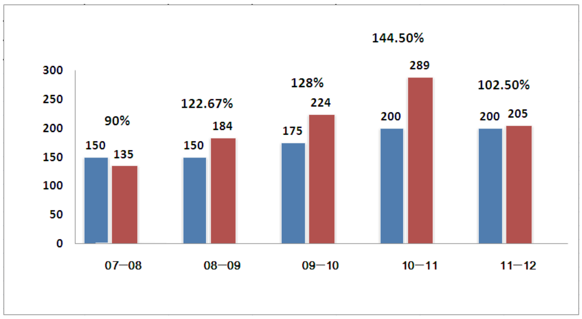

rkfydk dekd & 2
v'kiath dk y{; ifrl o ifr'kr dk fooj.k

¼jkf'k yk[k :-esa½

o"kZ	y{;	ifrl	ifr'kr
07-08	6-00	4.90	81.67%
08-09	4-00	3.57	89.25%
09-10	4-50	6.28	139.56%
10-11	5-00	12.09	241.80%
11-12	6-00	8.17	136.17%

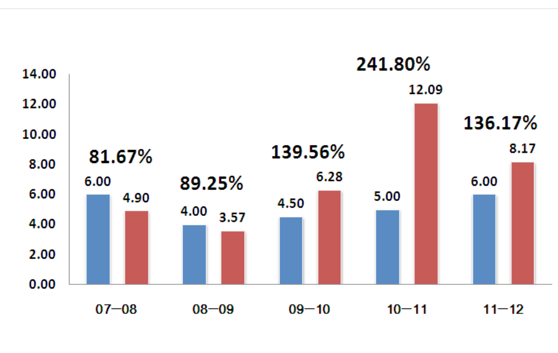

rkfydk dekd & 3
vekurksa dh y{;] ifrl o ifr'kr dk fooj.k

¼jkf'k yk[k :-esa½

o"kZ	y{;	ifrl	ifr'kr
07-08	150	102.18	68.12%
08-09	100	63.37	63.37%
09-10	100	167.08	167.08%
10-11	110	132.01	120.00%
11-12	100	242.91	242.91%

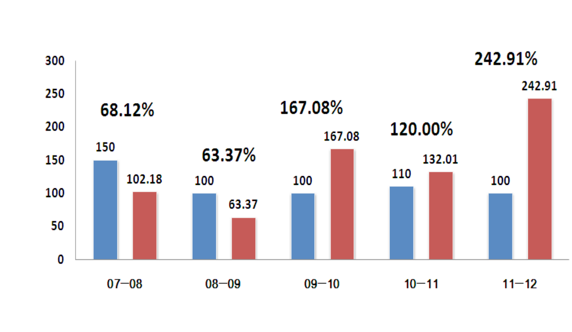

rkfydk dekd & 4
_.k fprj.k dh y{;] ifrl o ifr'kr dk fooj.k

¼jkf'k yk[k :-esa½

o"kZ	y{;	ifrl	ifr'kr
07-08	125	110.78	88.62%
08-09	125	100.17	80.13%
09-10	150	135.37	90.27%
10-11	175	252	144%
11-12	200	230.44	115.22%

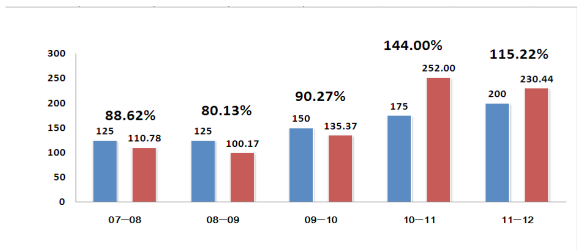

rkfydk dekd & 5
_.k ekax olwyh o ifr'kr dk fooj.k

¼jkf'k yk[k :-esa½

o"kZ	y{;	ifrl	ifr'kr
07-08	82-53	77.18	93.52%
08-09	94-85	86.19	90.87%
09-10	109-18	103.69	94.97%
10-11	134-12	125.57	93.62%
11-12	162-06	150.86	93%

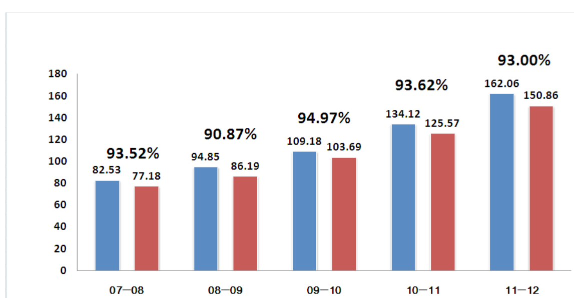

rkfydk dekd 6
efgyk ukxfjd lgdkjh cSd dh ifr[k vkdMs

¼jkf'k yk[k :-esa½

d-	fooj.k	07&08	08&09	09&10	10&11	11&12
1	pdrk v'k iath					

Volume : 3 | Issue : 12 | Dec 2013 | ISSN - 2249-555X

a	ljdkj dk fgLlk	0-40	0-40	0-40	0-40	0-40
b	lnL;ksa dk fgLlk	28-85	32-42	38-71	50-79	58-96
2	lap; o vkf/kD;	58-98	74-35	93-03	113-85	151-61
3	N.P.A iko/kku (gross)	10-47	10-94	13-38	13-31	24-54
4	vekur	556-62	619-99	787-07	919-08	1161-99
5	_.k o vfxze	261-93	209-94	336-29	480-36	579-39
6	dk;Z'khy iwath	675-90	758-01	959-90	1135-53	1424-97
7	fofu;ksx	246-15	353-79	517-55	547-02	743-50
8	'kq) ykHk	14-28	16-54	23-76	27-73	26-98
9	vads{k.k oxZ	^^,**	^^,**	^^,**	^^,**	^^,**

विष्लेशण :–

1. तालिका क्रमांक 1 –नये सदस्यों के लक्ष्य व पूर्ति का विवरण से स्पश्ट है कि बैंक की सदस्य संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है। वर्श 07–08 में लक्ष्य से कम नये सदस्य बैंक में षामिल हुए। पर उसके बाद प्रत्येक वर्श लक्ष्य से अधिक नये सदस्य षामिल हुए एवं वर्श 2010–11 में बैंक ने लक्ष्य से 1.44 गुना नये सदस्य बने। जो नये सदस्यों का बैंक से जुड़ने की ओर रूझान को प्रदर्षित करता है।

2. तालिका क्रमांक 2 –अंषपूंजी का लक्ष्य एवं पूर्ति का विवरण द्वारा यह स्पश्ट होता है कि वित्तीय वर्ष 07–08 व 08–09 में लक्ष्य से कम अंषपूंजी एकत्र हुई। वर्श 2009–10 से अंष पूंजी में लक्ष्य से अधिक वृद्धि हुई। वर्श 2010–11 में बैंक द्वारा सर्वाधिक अंषपूंजी एकत्र की गई। यह बैंक की बढ़ती लोकप्रियता के कारण ही संभव है।

3. तालिका क्रमांक 3 –अमानतों का लक्ष्य व पूर्ति का विवरण से स्पश्ट है कि बैंक की अमानतों में निरंतर वृद्धि हो रही है। बैंक वर्श 07–08 व 08–09 में निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति करने में असफल रहा। पर बाद के वर्शो में बैंक द्वारा लक्ष्यों से अधिक अमानतों का संग्रह किया गया। वर्श 2011–12 में बैंक ने लक्ष्य का लगभग ढाई गुना अमानत प्राप्त की।

4. तालिका क्रमांक 4 –ऋण वितरण का लक्ष्य एवं पूर्ति का विवरण से स्पश्ट होता है कि बैंक द्वारा वर्ष 07–08, 08–09 एवं 09–10 में निर्धारित लक्ष्य से कम ऋण का वितरण किया गया। वर्श 10–11 में सर्वाधिक ऋण वितरित किया गया। जो निर्धारित लक्ष्य का 1.44 गुना था। वर्ष 11–12 में लक्ष्य से अधिक ऋण वितरित किया गया।

5. तालिका क्रमांक 5 –ऋण की मांग व वसूली की विवरण तालिका यह प्रदर्षित कर रही है कि बैंक की ऋण वसूली का प्रतिषत 90 प्रतिषत से 95 प्रतिषत के मध्य है। बैंक द्वारा अध्ययन अवधि में निर्धारित मांग की तुलना में कम ही ऋण वसूली की गई है। जो बैंक की ऋण वसूली क्षमता में कमियों को प्रदर्षित करती है।

निश्कर्श एवं सुझाव :–

1. बैंक को ऋण वसूली नीति का निर्धारण कर ऋण वसूली पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

2. बैंक द्वारा संचालित योजनाओं का व्यापक प्रचार–प्रसार किया जावे।

3. नये सदस्यों को बैंक से जोड़ने हेतु दीर्धकालीन योजना बनाई जाये।

4. बैंक द्वारा ग्राहको को प्रदान की जाने वाली सुविधाओं में वृद्धि किया जावे।

5. बैंक द्वारा महिला हितग्राहियों को (ऋण वितरण करने के साथ ही) नवीन व्यवसाय हेतु प्रषिक्षण शाला का आयोजन कर मार्गदर्षन करना चाहिए।

6. महिला हितग्राहियों के सेवार्थ मार्गदर्षन की व्यवस्था की जाए।

7. बैंक को शाखा विस्तार करने हेतु प्रयास करना चाहिए।

REFERENCE

1- Jain Pramod Lata ; "co-operative credit in Rural India", Mittal Publications, New Delhi 1990 | 2- Kapil Dr. H.K. ; "vuqla/kku fof/k;k** Hkkxo cqd gkml** vkxjk] 1992 | 3- Krishna Swami O.K. ; "co-operative Democracy in Action", Somaiya Publications, New Delhi 1976 | 4- Krishna Murthy G : "Management of co-operative credit", Sarangi publishing House, Warangal, A.P. 1984 | 5- ykofu;k Mk- ,e-,e- ¼^Hkkjrh; efgykvksa dk lekt'kkL=** | 6- efgyk ukxfjd lgdkjh cSad e;kfnr egklen dh mifof/k] okf"kZd ifrosnu] vkfMV fjiksVZ] ;kstukvksa dk lkfgR; vkfnA | 7- Mathur Dr. B.S. : "Sahkarita K Shiddhant", Sahitya Bhawan, Agra | 8- ^Lekfjdk N-x- lgdkfjrk lIrkg iok'kZd 2012** N-x- 'kgjh lgdkjh cSad QMsj'ku e;kfnr] jk;iqj ¼N-x-½ | 9- Mathur Dr. B.B. : Hkkjr esa lgdkfjrk** lkfgR; Hkou ifCyds'ku] vkxjkA